



शुभान्नमेव च धीनां प्रसिद्धिभाषः प्रियुना ॥

[illegible]





लि  
उः कडा कुमडा य० ३

५

सध ॥ योउमिठणवठु ॥ भूउयंयचमडा भूमीममेवमेवमभवका  
भाजुमधुमे ० वल्लनाल्लनउवाधिरउंनुन पिकंमयडा मेनभुमेठुना  
धउममभुमधुमे ३ ॥ उड्डालंउयमूलं ठणवउमयकर उमुउं  
अन्तउंयगडुड्डुमायाल्लनाग्रन ३ ॥ उमंकडाउपमूक्किभुए  
उरुयंउवि भूकुलिनभुवमनेउभुमुधियपिउति ४ भानमीध  
मिभानेधसुत्तपमधुवेकिणै वुउंमीन्तंमपडीकेः श्रीयउंउनम  
करिः ५ वल्लनाल्लनमेवल्लममेकाला मिविभुवना सुमभुन्तं  
गउंयमूकुयड्डुमू लभकुउडा ७ वल्लनाल्लनयड्डुमिन्तय  
पुपुंउंउडाभा उमकु अन्तंमकुयड्डुमायाल्लनाग्रन १



सभद्रुले इत्येता सुभद्रुगेरुभुताः सुवीमुनुनतायमजुभीपाका  
 त्रुगसुयाः गेरविभुपठेजुगियेभद्रुगेरुवेभुताः कालवद्रुपउपु  
 न्नसुभिपउवनभुताः भद्रुभुनगायम कएद्रुपुमक काः  
 सुवृत्तायउउयउनभुपियभुताः उभु उद्रुमेवविभनएभुद्र  
 यिहामभाकिउः मकिठिसुउउभु सुद्रयद्रुएभउभाना अल  
 रापयउपुसु विपमनरलिउषा उद्रुयः उद्रुउभचंद्रुमसु  
 सुपनभुने भद्रुएभद्रुउपाथ उद्रु मचनसुति ॥ एतामेवताः ।  
 अलमद्रु ॥ मययसिपुठउभु ॥ भवे भद्रु कलमकिद्रुम ॥

यद्यप्युद्रुपिद्रुमचलेकपिउभद्रुः  
 उषाउभमयल्लभिद्रुमठवसिलेउम॥

भानसी द्विभया मवयं उं वृत्त भुत्त मभा ठवउं उन मरी उं मर्यो वपु के मवे ०  
पेधभा भुपि मवे मय वृत्त भुत्त उन ननुः मपङ्गीकः श्री उं नगय ले भुत्त १९  
भाप्य त्रिउः मपङ्गीक भेण वस्त्र भुत्त भुत्त वृत्त नते धिउ वरु श्री उं भुत्त मभ ह्यो ३  
ठालु नय वृत्त मवे वि लिउं उन मलो विमु मो म विणे विने श्री ये उं मच मगि ४  
म इवे जे ले विष्णु म मर्यो उं धिउ भया येन वृत्त ननु म श्री उं म मय सुत्त म ५  
एन ननु म वे म गप उं व भ म म नः म त्रि उं ये भया प्रवं री ये उं उ म म सुत्त ७  
हो म त्रि उं भया प्रवं म य न क रि वि र भो उं म उं म व उं ननु वृत्त न म प रि सुत्त १  
मु धा ठ प्र रि उं उं उं य ए प्र म ध व म नो म म उं म पङ्गी को म री उं म मय सुत्त म ५  
व म म वः म री ए म म व ल उं म म त्रि उं वृत्त न म वे म री उं म भुत्त म भुत्त ७  
म त्रि उं म वे म री न ठ म म भि यो भया उं म म रि रु धी क मी  
श्री ये उं म प रि सुत्त ०० ये गी मः म पङ्गीकः प म न ठ म वे म  
ये भया म य ए म भि श्री ये उं म भुत्त म म ००



कण्डिकपुष्पगीकामुषासमेरुविहः मृदुमेतमपत्रीकोमृषीते  
 पापमार्तिमे ०१ मलिभुयस्येनमेनरकगिचिहमुषा प्रचये  
 अरिण्डवहृमण्येतेपुमीमताभा ०३ एवंमेवेणगहेनिमृउचिं  
 मतिहृपहृता मउचिंमतिमतीकः शीयतंमे रागहृहः ०४  
 भापेमीहं ॥